ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ - 4

प्रियतम

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

6 प्रियतम

चिंतन-मनन

विष्णु-नारद प्रसंग के माध्यम से प्रतिपादित किया गया है कि जो ईश्वर द्वारा दिए गए उत्तरदायित्वों को पूरा कर ईश्वर का स्मरण करता है, वही ईश्वर का सबसे प्रिय भक्त है। इस पाठ में बच्चों को कर्मनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी गई है। सतत कर्म में रत रहो, भगवान के दर्शन अपने आप होते हैं।

एक दिन, विष्णु जी के पास गए नारद जी,
पूछा, "मृत्युलोक में वह कौन है पुण्यश्लोक
भक्त तुम्हारा प्रधान?"
विष्णु जी ने कहा, "एक सज्जन किसान है,
प्राणों से प्रियतम।"
"उसकी परीक्षा लूँगा।"
हँसे विष्णु सुनकर यह,
कहा कि, "ले सकते हो।"
नारद जी चल दिए
पहुँचे भक्त के यहाँ,

देखा, हल जोतकर आया वह दोपहर को,
दरवाज़े पहुँचकर राम जी का नाम लिया,
स्नान-भोजन करके
फिर चला गया काम पर।
शाम का आया दरवाज़े पर फिर नाम लिया,
प्रातःकाल चलते समय
एक बार फिर उसने
मधुर नाम स्मरण किया
"बस केवल तीन बार।"
नारद चकरा गए–
किंतु भगवान को किसान ही यह याद आया है?
गए विष्णुलोक
बोले भगवान से,
"देखो किसान को
दिनभर में तीन बार
नाम उसने लिया है।"
बोले विष्णु, "नारद जी,
आवश्यक दूसरा
एक काम आया है,
तुम्हें छोड़कर कोई
और नहीं कर सकता
साधारण विषय यह।
बाद को विवाद होगा,
तब तक यह आवश्यक कार्य पूरा कीजिए,
तेल-पूर्ण पात्र यह
लेकर प्रदक्षिणा कर आइए भूमंडल की,
ध्यान रहे सविशेष
एक बूँद भी इससे
तेल न गिरने पाए।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ-

पुन्यश्लोक- शुभ चरित्र,
प्रियतम- सबसे प्यारा,
मधुर- मीठा
स्मरण- याद, स्मृति
विवाद- कहा- सुनी, तकरार, मतभेद
पात्र- बर्तन
प्रदक्षिणा- परिक्रमा
भूमंडल- भूगोल
धृत- लक्ष - अपनी धुन या लक्ष्य का पक्का
विश्व- पर्यटन - संसार का भ्रमण
बैकुंठ - स्वर्ग
उल्लास- खुशी,हर्ष, उमंग
अवगत - जाना हुआ

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अर्थबोध-

नारद बिष्णु से उनके सब से प्रिय भक्त कौन है पुछते हैं। बिष्णु जी कहते हैं कि एक किसान उनके प्राणो से प्रिय है।यह सुन नारद जी को विश्वास न हुआ तो उन्होंने उसकि परीक्षा लेना चाहा। बिष्णु जी के आज्ञा लेकरउस व्यक्ति के पास पहुंचकर देखा कि वह व्यक्ति दिन में तीन बार ही भगवान का नाम स्मरण करता है।यह देख वे आश्चर्य हुए। विष्णुलोक जाकर बिष्णु जी से सारे बात कहें। बिष्णु जी नारद जी को देख उनको दुसरे काम में भेज दिया। बिष्णु जी नारद जी को एक कटोरी में तेल भर कर दिया और बोले इसे लेकर सारे धरती घम कर आना लेकिन

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न-

१. नारद जी बिष्णु जी से क्या पुछते हैं?
२. बिष्णु जी नारदजी से किसके बारे में कहते हैं?
३. नारद जी क्यों उस व्यक्ति को परीक्षा करना चाहे?
४. नारदजी क्या देख कर आश्चर्य हो गए थे?
५. बिष्णु जी नारद जी से क्या काम देते हैं?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow